

深 深 爱

李 倩 仪 作词
陈 伟 作曲
桃李醉春风 记谱

1 = D $\frac{2}{4}$

演唱：陈瑞

(2̇ 3̇ 2̇ 1̇ | 1̇ 6̇ 6̇ 5̇ | 5̇ 6̇ 1̇ 2̇ | 3̇ . 5̇ | 2̇ 3̇ 2̇ 1̇ | 2̇ 5̇ 5̇ 6̇ | 5̇ 3̇ . | 2̇ 3̇ 2̇ 3̇ | 6̇ 5̇ 5̇ 3̇ | 2̇ 3̇ 5̇ 6̇ | 1 |

2̇ 3̇ 5̇ 3̇ | 2̇ 1̇ 2̇ 6̇ | 5 - | 0 0) | 2̇ 3̇ 2̇ 1̇ | 1̇ . 6̇ | 5̇ . 5̇ 6̇ | 1 | 6̇ 6̇ 1̇ | 2̇ 5̇ | 3̇ 2̇ 1̇ 6̇ | 2 |

我 随着寂寞 逃进天黑， 任思念又来 胡作非为，

3̇ 2̇ 3̇ | 5̇ 5̇ | 6̇ 2̇ 2̇ 1̇ | 6̇ | 2̇ 3̇ 2̇ 1̇ | 2̇ 1̇ 1̇ 6̇ | 5 - ||: 2̇ 3̇ 2̇ 1̇ | 1̇ . 6̇ | 5̇ . 5̇ 6̇ | 1 |

一颗心 还会 天真地以为， 还能有 命运的慈悲。 时光有太多 口是心非，

6̇ 6̇ 1̇ | 2̇ 5̇ | 3̇ 2̇ 1̇ 6̇ | 2 | 3̇ 2̇ 3̇ | 5̇ 5̇ | 6̇ 2̇ 2̇ 1̇ | 6̇ | 2̇ 3̇ 2̇ 1̇ | 2̇ 1̇ 2̇ 3̇ | $\frac{3}{4}$ 5 - |

独自看 夜幕 渐渐低垂， 说过的 那些 承诺太完美， 如今却再也唤不回。

5̇ 6̇ 1̇ 6̇ | 1̇ 1̇ 2̇ | 3 - | 3̇ 5̇ 3̇ 5̇ | 6̇ 5̇ 3̇ 5̇ | 2 - | 2̇ . 1̇ | 2̇ 3̇ | 5̇ 6̇ 5̇ | 3 | 6̇ . 1̇ | 3̇ 2̇ 1̇ |

你的爱 深深的 烙在我心 扉， 仿佛一朵 不染 风尘的

2 - | 3̇ 5̇ 5̇ 5̇ 5̇ | 6̇ - | 6̇ 5̇ 3̇ 5̇ | 2 - | 2̇ 5̇ 6̇ 5̇ | 3 . 5̇ | 6̇ . 1̇ | 2̇ 3̇ 1̇ | 2 - |

梅， 芬芳付给了谁 落花堆成堆， 随风不知向哪里纷飞。

5̇ 6̇ 1̇ 6̇ | 1̇ 1̇ 2̇ | 3 - | 3̇ 5̇ 3̇ 5̇ | 6̇ 5̇ 3̇ 5̇ | 2 - | 2̇ . 1̇ | 2̇ 3̇ | 5̇ 6̇ 5̇ | 3 | 6̇ . 1̇ | 2̇ 3̇ 2̇ 1̇ |

你的爱 深深的 烙在我心 扉， 仿佛一腔 不曾 流完的

2 - | 3̇ 5̇ 5̇ 5̇ 5̇ | 6̇ 0 | 6̇ 5̇ 3̇ 5̇ | 2 - | 2̇ 5̇ 6̇ 5̇ | 3 . 5̇ | 2̇ . 3̇ | 2̇ 1̇ 6̇ | 1 - |

泪， 痴情是错是对 是不知所谓， 任由伤痛来写下结尾。

(2̇ 3̇ 2̇ 1̇ | 2̇ 1̇ 1̇ 6̇ | 6 | 0 5 6 1̇ | 2̇ 3̇ 2̇ 1̇ | 2̇ 3̇ 5̇ 6̇ | 3̇ | 6̇ 1̇ | 2 . 3̇ | 5̇ 6̇ 5̇ | 3 | 6̇ . 1̇ | 3̇ 2̇ 1̇ |

2 . 1̇ 2̇ | 5 - | 5 -) :|| ^{2.} 1 - | 2̇ 5̇ 6̇ 5̇ | 3 . 5̇ | 2̇ . 3̇ | 2̇ 1̇ | 6̇ - | 1 - | 1 - | 1 - ||

尾。 任由伤痛来写下结尾。